आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

सेवा सौभाग्य

परम पू. कैलाश जी 'मानव' ● मूल्य » 5 ● वर्ष-11 ● अंक » 128 ● मुद्रण तारीख » 1 अगस्त-2022 ● कुल पृष्ठ » 28

स्नेह निमंत्रण

दो राग बनेंगे एक गीत

दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह | दिनांकः 28-29 अगस्त | स्थानः उदयपुर

भूख से त्रस्त को करें तृप्त

भोजन प्रकल्प में दें अपना अमूल्य योगदान...

सहयोग करें

Donate Now

50 बच्चे पायेंगे भोजन-1500 रू.

UPI narayanseva@sbi

1 अगस्त, 2022

वर्ष 11 अंक 128 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 28

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक ▸ कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक ▸ प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग ▸ विष्णु शर्मा हितैषी
भगवान प्रसाद गौड़
डिजाइनर ▸ विरेन्द्र सिंह राठौड़

संपर्क (कार्यालय)

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

हिरण मगरी, सेक्टर-4
उदयपुर (राज.)-313002
फोन नं. : +91-294-6622222
वाट्सअप : +91-7023509999

Web ▸ www.narayanseva.org
E-mail ▸ info@narayanseva.org

Seva Soubhagya 1 August, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,05,000) cost- Rs.5/-

सेवा सौभाग्य

रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं

इस माह में

पाठकों हेतु

श्रीकृष्ण से सीखें रिश्ते निभाना
05

त्रिशा का ढाई साल चला उपचार
08

गुरू पूर्णिमा महोत्सव
10

हजारों आदिवासी जन लाभान्वित
12

कृत्रिम अंग बने हौसले
13

झीनी-झीनी रोशनी-39
19

शुभ-विवाह

कैलाश 'मानव'
संस्थापक चेयरमैन

घणे मान सुं राम राम।

जय श्री कृष्ण !! जय जिनेन्द्र!!

प्रशान्त अग्रवाल
अध्यक्ष

सनातन संस्कृति में 16 संस्कारों की बड़ी महिमा है। इन संस्कारों के बिना इंसान का जीवन सफल नहीं माना जा सकता। इनमें विवाह भी एक संस्कार है। विवाह शब्द में 'वि' का अर्थ विशेष तथा 'वाह' का मतलब है, वहन करना अर्थात कुछ विशेष दायित्व निर्वहन करने वाली वेला। पारिवारिक जिम्मेदारी की शुरूआत करने वाली शुभ घड़ी विवाह है। वैदिक परम्पराओं में विवाह को पति-पत्नी के बीच जन्म-जन्मांतर का अटूट बंधन माना गया है। जो सात-फेरों के साथ सात जन्मों तक साथ निभाने की एक शपथ भी है।

आपका अपना नारायण सेवा संस्थान 28-29 अगस्त, 2022 को 'दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह' में 51 दिव्यांग एवं निर्धन बन्धु-बहिनों की वैदिक रीति रिवाज से गृहस्थी बसाने का पुनीत आयोजन करने जा रहा है। जिसमें गणपति पूजन, बिन्दौली, हल्दी, तोरण, महिला संगीत और पवित्र अग्नि की सात परिक्रमाएं जैसी रस्में होंगी। यह धर्म की बेटियों और बेटों के लिए सुखद गृहस्थी बसाने का अवसर है.... यहा मानव सेवा, संस्कार और परमार्थ के त्रिवेणी संगम रूपी इस पुण्यदायी पाणिग्रहण समारोह में आपकी गरिमामयी उपस्थिति अभावग्रस्त इन जोड़ों के सपने करेगी साकार।

आपके स्वागत की प्रतीक्षा में.....

निवेदक
समस्त नारायण सेवा संस्थान परिवार

पर्व विशेष

श्रीकृष्ण से सीखें, रिश्ते निभाने का हुनर

भगवान श्री विष्णु के आठवें अवतार श्रीकृष्ण का जीवन किसी सबक से कम नहीं है। वे आसान होने के बावजूद बेहद अर्थपूर्ण हैं। श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में हर रिश्ते को बड़ी आसानी के साथ परिभाषित किया है और उसे ईमानदारी से निभाया भी।

विभिन्न अलौकिक कृत्यों के बीच श्रीकृष्ण जीवन में माधुर्य का संदेश देना नहीं भूलते। वह विभिन्न प्रकार की बाल क्रीड़ाएं करते हैं, मनमोहक बांसुरी वादन करते हैं तथा रास जैसी मोहक नृत्य विधा का सृजन करते हुए समस्त बृज प्रांत को महारास के रस में डुबो देते हैं, जिसमें सम्मिलित होने का लोभ संवरण स्वयं देवाधिदेव महादेव भी नहीं कर पाते और स्त्री वेश धारण कर इस महारास में सम्मिलित होते हैं। श्रीकृष्ण के जीवन से सबक लेकर हम भी अपने रिश्तों में मिठास घोल सकते हैं।

दोस्ती का रिश्ता

भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता हमें बचपन से इसलिए पढ़ाई-सिखाई जाती है क्योंकि वो हमें रिश्तों की कद्र करना और दोस्तों के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार रहने के लिए प्रेरित करती है। ऊंच-नीच, अमीर-गरीब, छोटे-बड़े की पाबंदियों से दूर दोस्ती सबसे अहम रिश्ता है, यह कृष्ण-सुदामा ने हमें सिखाया। सुदामा, कृष्ण के बचपन के मित्र थे। वह बहुत ही गरीब व्यक्ति थे, लेकिन कृष्ण ने अपनी दोस्ती के बीच कभी धन व हैसियत को नहीं आने दिया। वे अर्जुन के भी बहुत अच्छे मित्र और द्रौपदी के भी बहुत अच्छे सखा थे।

माता-पिता के प्रति

भले ही श्रीकृष्ण देवकी-वासुदेव के पुत्र कहलाते हैं, लेकिन उनका पालन-पोषण माता यशोदा व नंद बाबा ने किया था। भगवान कृष्ण ने देवकी व यशोदा दोनों माँओं को अपने जीवन में बराबर का स्थान दिया और दोनों के प्रति अपने कर्तव्यों को बखूबी निभाया। इस तरह कृष्ण ने दुनिया को यह सिखाया कि जीवन में मां-बाप का अहम रोल है, इसलिए हमें अपना जीवन माता-पिता की निष्ठा पूर्वक सेवा में समर्पित कर देना चाहिए। भगवान कृष्ण की शिक्षाओं में यह सबसे महत्वपूर्ण सबक है।

गुरू के प्रति

भगवान विष्णु का अवतार रूप होने के बावजूद श्रीकृष्ण के मन में अपने गुरूओं के लिए बहुत सम्मान था, अपने अवतार रूप में वे जिन भी संतों से मिले उनका उन्होंने पूर्ण सम्मान किया।

राधा के प्रति सम्मान व प्यार

कृष्ण के बहुत सारे प्रशंसक और उनसे प्रेम करने वाले थे लेकिन वृंदावन में राधा के प्रति उनका प्यार जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है, जहां वह नंद और यशोदा द्वारा लाए गए थे। वृंदावन में कृष्ण ने राधा के साथ प्रेम लीला रचाई। केवल राधा ही कृष्ण की दीवानी नहीं थी, बल्कि वृंदावन की कई गोपियां कृष्ण को मन ही मन ही मन अपना मान चुकी थीं। वे राधा व गोपियों के साथ मिलकर रास लीला रचाते थे। कृष्ण उनसे प्यार के साथ-साथ उनका सम्मान भी करते थे। आज के प्रेमियों को श्रीकृष्ण के प्रेमिकाओं के प्रति सम्मान से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

गणेश चतुर्थी

लक्ष्मी के मानस पुत्र

बुद्धि के देवता श्री गणेश का माता सरस्वती और लक्ष्मी के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध है, ताकि धन और ज्ञान में सामंजस्य बना रहे। वे विघ्नहर्ता, सुखकर्त्ता, समृद्धिदायक और प्रथम पूज्य देव हैं...

बिना बुद्धि के अगर अकूंत धन की प्राप्ति हो जाए, तो भी वह निरर्थक ही साबित होता है। धन का धर्म-सम्मत व्यय तभी माना जाता है, जब उसको सोच-समझ कर खर्च किया जाए। धन आने पर अच्छे-भले आदमी का विवेक भी समाप्त हो जाता है। गणेश जी बुद्धि के स्वामी हैं, विवेकशील हैं। लक्ष्मी जी के साथ गणेश जी का पूजन असल में धन प्राप्ति में किसी भी तरह की विघ्न-बाधा को रोकने के लिए ही किया जाता है। मंगलकारी गणेश जी समस्या धन सम्बन्धी हो, घर में कलह-क्लेश की या कोई और वे तत्काल बुद्धि देकर उसका निवारण करते हैं।

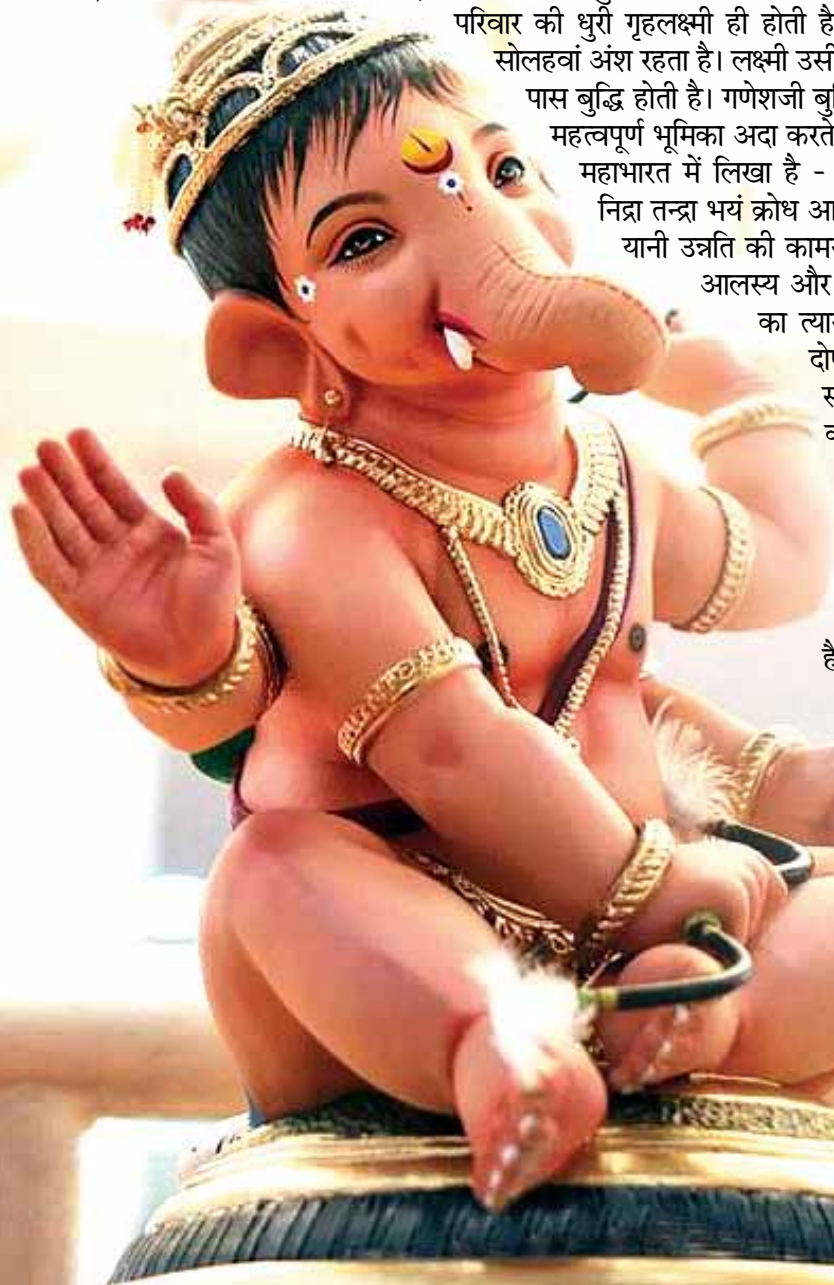

परिवार की धुरी गृहलक्ष्मी ही होती है। विवाह के पश्चात स्त्री में गृहलक्ष्मी का सोलहवां अंश रहता है। लक्ष्मी उसी के पास लम्बे समय तक टिकती हैं, जिनके पास बुद्धि होती है। गणेशजी बुद्धि के स्वामी होने के कारण इसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

महाभारत में लिखा है - षड् दोषाः पुरूषेणेह हातव्या भूतिमिच्छता।
निद्रा तन्द्रा भयं क्रोध आलस्य दीर्घसूत्रता।

यानी उन्नति की कामना करने वालों को निद्रा, तन्द्रा, भय, क्रोध, आलस्य और दीर्घसूत्रता (काम को टालने वाली प्रवृति) का त्याग करना चाहिए। यह सत्य है कि इन छह दोषों से दूर रहने वाला ही लक्ष्मी प्राप्त कर सकता है। अधिक नींद लेने वाला लक्ष्मीजी को पसंद नहीं है। ऊंघते रहना कर्म और सफलता में बड़ी बाधा पैदा करता है। व्यक्ति के आत्मविश्वास को भय भी हानि पहुंचाता है। क्रोध व्यक्ति के अच्छे गुणों का नाश कर डालता है। आलसी आदमी किसी भी अच्छे काम को पूरा करने में असमर्थ रहता है। एक सबसे खराब आदत है किसी भी काम में विलम्ब करना या उसे टालते रहना। गणेशजी की पूजा से यह छह दोष अपने आप समाप्त हो जाते हैं। गणेश चतुर्थी पर्व पर संस्थान में कोरोना काल के बाद इस वर्ष भव्य गणपति मंडप सजाया जाकर दिव्यांगजन के आरोग्य, सहयोगियों की समृद्धि व समाज में सद्भाव की कामना के लिए विशेष पूजा की जाएगी।

प्रेरक प्रसंग

वास्तविक सौंदर्य

शारीरिक सौष्ठव अथवा सौन्दर्य स्थायी नहीं, नाशवान है फिर भी व्यक्ति सौन्दर्य वृद्धि और उसके प्रगटीकरण के लिए नानाविध प्रयास करता है। जबकि जरूरत इस बात की है कि मन, कर्म, वचन-विचारों को सुन्दर बनाया जाए। इससे जीवन की समस्याएं हल भी होंगी और प्रतिष्ठा भी मिलेगी।

राजकुमार भद्रबाहु को अपने सौन्दर्य पर बहुत गर्व था। वह खुद को दुनिया का सबसे सुन्दर आदमी मानता था। एक बार वह अपने मित्र सुकेशी के साथ टहल रहा था। रास्ते में श्मशान आया। वहां जब भद्रबाहु ने आग की लपटें देखीं तो चौंक गया। उसने सुकेशी से पूछा? यहां क्या हो रहा है? सुकेशी ने कहा, युवराज, मृत व्यक्ति को जलाया जा रहा है। इस पर भद्रबाहु ने कहा, जरूर वह बहुत ही कुरूप रहा होगा। सुकेशी बोला, नहीं, वह बहुत ही सुन्दर था। इस पर भद्रबाहु ने आश्चर्य से कहा, तो फिर उसे जलाया क्यों जा रहा है? सुकेशी ने जवाब दिया, मृत व्यक्ति की देह को एक दिन जलना ही होता है। चाहे वह कितना ही सुन्दर क्यों न हो। मरने के बाद शरीर नष्ट होने लगता है। इसलिए उसे जलाना जरूरी है। यह सुनकर भद्रबाहु को काफी धक्का लगा। उसका सारा अहंकार चूर-चूर हो गया। उसके बाद से वह हरदम उदास रहने लगा। इससे उसके परिवार के लोग और मित्र चिंतित हो गए। एक दिन भद्रबाहु को एक महात्मा के पास ले जाया गया। सारी स्थिति जानकर महात्मा ने उसे समझाया, कुमार! तुम भारी भूल कर रहे हो। शरीर थोड़े ही सुन्दर होता है। सुन्दर तो होता है, उसमें रहने वाला मन। हमारे विचार और कर्म सुन्दर होते हैं। तुम शरीर को इतना महत्व न दो। इसे एक उपकरण या माध्यम भर समझो। अपने विचार और कर्म को सुन्दर बनाने का प्रयत्न करो। दीन-दुखियों की सेवा करो तभी तुम्हारा जीवन सार्थक होगा। भद्रबाहु को बात समझ में आ गई। उस दिन से वह बदल गया और परोपकारी कार्यों से उसे संतोष व प्रसन्नता का अनुभव हुआ।

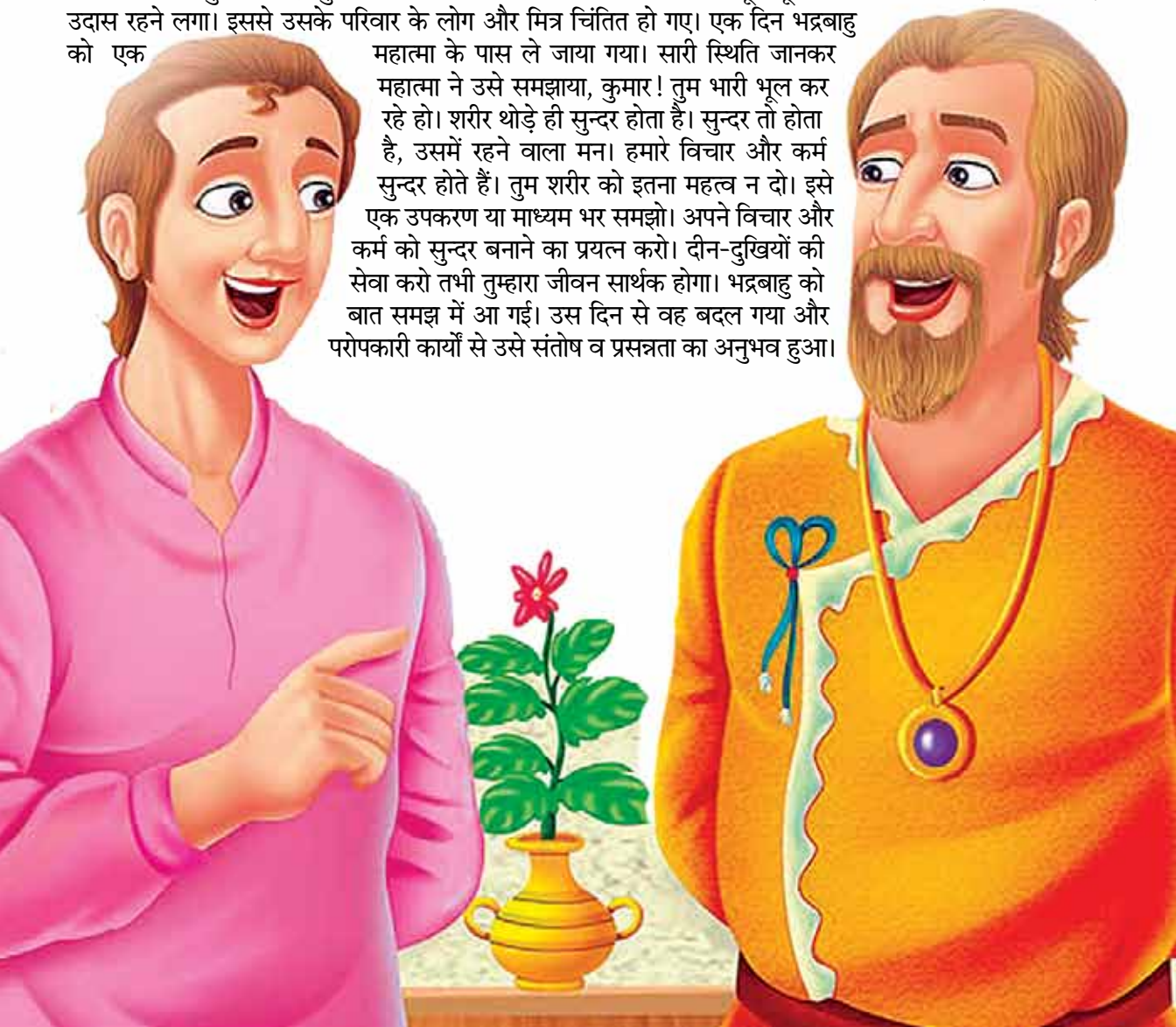

त्रिशा का ढाई साल चला उपचार

जन्मजात विकृति दूर होकर लगेगी चलने

उपेन्द्र यादव (32) के घर 6 वर्ष पूर्व पहली संतान के रूप में बालिका ने जन्म लिया। घर में प्रथम संतान का लक्ष्मी रूप में आगमन शुभ माना जाता है। परिवार में काफी खुशी थी लेकिन जब यह पता लगा कि नवजात बालिका त्रिशा का दायां पांव घुटने से सटा ही रहता है और पंजा भी मुड़ा हुआ है तो परिवार की खुशी पर दुःख की बदली छितरा गई। उपेन्द्र अपने कस्बे नालन्दा (बिहार) में ही मजदूरी और खेती का काम करते हैं। पत्नी पूजा गृहस्थी के साथ खेती के कामों में मदद करती है। किसी ने बताया कि उम्र बढ़ने के साथ त्रिशा की विकृति स्वतः ठीक हो जाएगी। गरम पानी का सेक-मालिश करते रहें, किन्तु 6 साल की उम्र तक भी विकृति बजाय कम होने के बढ़ती गई। उसे उठने-बैठने में भी तकलीफ होने लगी। इलाज के लिए अस्पतालों में भी ले गए, लेकिन उपचार का खर्च इतना था कि उसका बोझ उठाने में परिवार असमर्थ था और कहीं से मदद की उम्मीद भी नहीं थी। इसी दौरान सोशल मीडिया से इस तरह की विकृति वालों की निःशुल्क सर्जरी नारायण सेवा संस्थान में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा होने की जानकारी मिली। पूजा को याद आया कि उसकी देवरानी की दिव्यांग बेटी का उपचार भी यहीं हुआ था। फरवरी 2020 में यादव दम्पती बिटिया को लेकर उदयपुर स्थित संस्थान में आए जंहा पांच दिन बाद पांव का पहला ऑपरेशन हुआ। फिर एक माह बाद 30 मार्च को प्लास्टर काटकर कुछ दिन तक विजिंग की गई। संस्थान में उपचार के लिए ढाई साल तक आना-जाना रहा। रहना, खाना, दवा आदि सब कुछ बेहतर और निःशुल्क था। त्रिशा के पांव में अब सुधार भी हो रहा था। अभी हाल ही में 11 जून 2022 को बेटी के पांव में एक विशेष रिंग लगाई गई है। अब वह उठती-बैठती और चलती है, माता-पिता की आंखे खुशी में नम हो जाती है। वे संस्थान को बारम्बार धन्यवाद देते हैं।

प्राकृतिक चिकित्सालय

नारायण यज्ञ के साथ नए भवन में प्रवेश

संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में 19 जून को प्राकृतिक चिकित्सालय के नए भवन का उद्घाटन देश भर से आये समाजसेवी दानवीरों की उपस्थिति में पूज्य गुरूदेव संस्थापक चेयरमैन श्री कैलाश जी मानव ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मनुष्य को अच्छा स्वास्थ्य उपहार के रूप में प्रकृति की ओर से ही मिलता है। लेकिन वर्तमान समय में व्यक्ति दौड़ धूप, प्रदूषित वातावरण और मशीनी जीवन शैली में इतना व्यस्त हो गया है कि उसे नाना प्रकार की बीमारियों ने जकड़ लिया है। नेचुरोपैथी एक अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करने में बहुत उपयोगी है। जोकि हमारे ऋषि मुनियों की चिकित्सा पद्धति है। यह जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में भी कारगर है।

उद्घाटन से पूर्व विश्व मंगल की कामना से सम्पन्न नारायण महायज्ञ में अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया, निदेशक वंदना जी सहित अतिथियों ने आहुतियां दी। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने समारोह के विशिष्ट अतिथि सर्वश्री उदय सिंह - बेंगलुरु, अशोक कुमार - दिल्ली, वल्लभ भाई धनानी - अहमदाबाद, श्यामलाल मुक्तसर - पंजाब, हरिराम यादव - रेवाड़ी, प्रेमसागर - मुंबई और शैलेश्वरी देवी - उज्जैन का मंच पर स्वागत करते हुए उपस्थित जनों को प्राकृतिक चिकित्सालय की निःशुल्क सुविधाओं की जानकारी दी। संचालन महिम जैन ने किया।

गुरू पूर्णिमा

सद्गुरू के प्रेरणा प्रकाश से ही जीवन सार्थक

पूज्य गुरूदेव का पाद प्रक्षालन कर शिष्यों और दिव्यांगों ने लिया आशीर्वाद

संस्थान में 13 जुलाई को गुरू पूर्णिमा पर्व पर साधकों, देश के विभिन्न भागों से निःशुल्क चिकित्सा के लिए आये दिव्यांगों और समाजसेवियों ने संस्थापक चेयरमैन पूज्य गुरूदेव निर्वाणी पीठाधीश्वर श्री कैलाश जी मानव का वन्दन-अभिनन्दन किया। अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने कहा कि जिसके जीवन में सद्गुरू की प्रेरणा का प्रकाश है उसका जीवन सार्थक है। ईश्वर के श्रीचरणों तक जाने का मार्ग गुरू के आशीषों से होकर ही पहुंचता है। पूज्य गुरूदेव ने अपने अभिनन्दन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यहां जिस उम्मीद से देश-विदेश से दिव्यांग आते हैं प्रभु उन्हें पूर्ण करें। इस अवसर पर सहसंस्थापिका कमला देवी जी, प्रखर शिष्य सेवक प्रशांत भैया, वंदना अग्रवाल, जगदीश आर्य, देवेन्द्र चौबीसा एवं राजेन्द्र गर्ग ने पादप्रक्षालन कर गुरूदेव का पूजन किया। कार्यक्रम में जरूरतमंद दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग, व्हील चेयर, ट्राई साईकिल, बैशाखियों का वितरण किया गया। संयोजन महिम जैन ने किया। कार्यक्रम का आस्था चैनल से सीधा प्रसारण किया गया।

सेवा सम्मान

विदेशों में दानवीरों का सम्मान

अपने अथक परिश्रम एवं पुरूषार्थ से संचित धन रूपी लक्ष्मी को मानवता की सेवा में अर्पित करने वाले सिंगापुर, इण्डोनेशिया, यू.के., मलेशिया और बैंकॉक में निवासरत प्रवासी दानवीरों को संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों से अवगत कराने के लिए वरिष्ठ साधकों का सेवा-प्रवास जून-जुलाई में सम्पन्न हुआ।

2 जून को प्रभारी गोपेश शर्मा और दिलीप सिंह ने उदयपुर से प्रस्थान कर सिंगापुर, मलेशिया और बैंकॉक के दानवीरों से घर-घर सेवा सम्पर्क किया। वहीं इण्डोनेशिया के मानवता पुजारियों से कैलाश चौधरी ने मिलन किया। लंदन प्रवास के दौरान गजेन्द्र सिंह ने भी दानदाताओं को सेवा सुगन्ध से सराबोर किया। सहयोग करने वाले दानवीरों का संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने उदयपुर से फोन पर सम्पर्क कर बहुत-बहुत साधुवाद अर्पित किया है।

सेवा शिविर

उदास चेहरों पर संतोष का भाव

अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंची चिकित्सा व राशन सेवा

अंतिम छोर के व्यक्ति तक चिकित्सा, परामर्श व पोषण पहुंचे, इस भावना के साथ 27 जून को संस्थान के दो दिवसीय शिविर का समापन हुआ। आदिवासी बहुल कोटड़ा उपखण्ड की उखलियात पंचायत व बड़गांव उपखण्ड की ऊपली वियाल में शिविर आयोजित हुए। प्रत्येक में 700 से अधिक स्त्री-पुरूष और बच्चे शामिल हुए। जिनके स्वास्थ्य का परीक्षण डॉ. अक्षय गोयल की टीम ने किया। उन्होंने उखलियात में 95 व ऊपली वियाल में 65 लोगों को स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं की व्यापक जांच कर सलाह दी। इन शिविरों में मौसमी बीमारियों के लक्षण व उपाय बताते हुए दवाइयों का वितरण किया व जख्मों पर मरहम पट्टी की गई। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने शिविर में पौष्टिक आहार के बारे में बताते हुए कहा कि दोनों शिविरों में 20 क्विंटल गेहूं, भोजन पैकेट, चावल, बिस्किट आदि के साथ ही महिलाओं को साड़ियां, सलवार शूट, पुरूषों को धोती-कमीज व बच्चों को पेंट-टी शर्ट वितरित किए गए। सभी को उनके माप के मुताबित चप्पल बांटे गए। शिविरों का नेतृत्व निदेशक वंदना अग्रवाल, पलक अग्रवाल व वरिष्ठ साधक भगवान प्रसाद गौड़ ने किया। उखलियात में स्थानीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लीलादेवी व ऊपली वियाल में शिक्षक प्रेमसिंह भाटी व फतेहलाल चौबीसा ने शिविर संचालन में सहयोग किया।

स्वावलम्बन

कृत्रिम हाथ-पैर बने हौसलों के पंख

आपका अपना यह संस्थान दुर्घटनाओं में दिव्यांग भाई-बहिनों को दुःख व निराशा से उबारने में निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान कर उनके जीवन को खुशहाल बनाने के लिए लगातार जुटा हुआ है। जर्मनी मेड मशीनों के आने के बाद तो कृत्रिम अंग पूर्वापेक्षा अधिक सुविधाजनक व उच्च गुणवत्ता वाले बनने लगे हैं। जून माह में अनेक शहरों में जरूरतमंद दिव्यांगों को ये प्रदान किए गए। जिन्हें व्हील चेयर, ट्राईसाइकिल, केलीपर आदि की जरूरत थी, उसकी भी आपके आशीर्वाद और सहयोग से पूर्ति की गई।

पृथ्वीपुरा

भारतीय अधिकार संस्थान ट्रस्ट पृथ्वीपुरा-निवाड़ी (म.प्र.) के सहयोग से 5 जून को कृषि उपज मंडी परिसर पृथ्वीपुरा में आयोजित संस्थान के कृत्रिम अंग वितरण शिविर में हादसों में अपने हाथ-पांव गंवाने वाले 19 भाई-बहिनों को उनके माप के मुताबिक कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। पीएण्डओ टेक्नीशियन नरेश वैष्णव ने 9 दिव्यांगजन को कैलीपर पहनाए। शिविर प्रभारी अखिलेश अग्निहोत्री थे।

अजमेर

पटेल मैदान अजमेर स्थित हनुमान व्यायाम शाला में 5 जून को श्री महेश जी सांखला (आर्ट ऑफ लीविंग संस्थान) के सौजन्य से आयोजित कृत्रिम अंग वितरण शिविर में 20 दिव्यांगजन को कृत्रिम हाथ-पैर व 11 को कैलीपर प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि डॉ. अजय महावर थे। अध्यक्षता श्री महेश जी सांखला ने की। विशिष्ट अतिथि श्री अर्जुन जी सांखला, श्री बसंत जी शर्मा, श्री कन्हैयालाल जी चौहान,

श्री बृजमोहन जी झंवर थे। शिविर संचालन में वरिष्ठ साधक मुकेश शर्मा व टेक्नीशियन भंवर सिंह ने सहयोग किया।

औरंगाबाद

नगर परिषद के सहयोग से 5 जून को औरंगाबाद (बिहार) सदर अस्पताल के रेडक्रॉस सोसायटी परिसर में संस्थान की ओर से कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष श्री उदय कुमार गुप्ता थे। अध्यक्षता डॉ. चन्द्रशेखर प्रसाद ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री गिरिजाराम चन्द्रवंशी, डॉ. महावीर प्रसाद जैन व विनोद कुमार थे। संस्थान के पीएण्डओ डॉ. पंकज, टेक्नीशियन नाथू सिंह व करण मीणा ने 46 दिव्यांगजन को उनके माप के अनुसार कृत्रिम अंग व 26 को कैलीपर पहनाए। संचालन लाल सिंह भाटी ने किया। सहयोग मुकेश त्रिपाठी, बहादुर सिंह व प्रवीण यादव ने किया।

गजरौला

जे.बी. एफ मेडिकल सेंटर भरतिया ग्राम जिला गजरौला (महाराष्ट्र) में दो दिवसीय कृत्रिम अंग वितरण शिविर 5-6 जून को सम्पन्न हुआ। जिसमें 100 से अधिक दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। इनमें से 80 को कृत्रिम अंग व 31 को कैलीपर प्रदान किए गए। शिविर के मुख्य अतिथि श्री बी.के. त्रिपाठी थे। संचालन मुकेश शर्मा ने किया। कृत्रिम व कैलीपर पहनाने में टेक्नीशियन भंवर सिंह ने सहयोग किया।

शहजादपुर

संस्थान की शहजादपुर-अम्बाला शाखा (हरियाणा) के तत्वावधान में माता सुन्दरी प्रांगण में 12 जून को कृत्रिम अंग वितरण शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें 21 दिव्यांगजन

को कृत्रिम अंग व 2 को कैलीपर वितरित किए गए। इस अवसर पर शाखा संयोजक श्री अजित जी शास्त्री, समाज सेवी श्री अंकुश जी गोयल, आश्रम प्रभारी श्री राकेश शर्मा, शिविर प्रभारी श्री अखिलेश अग्निहोत्री, टेक्नीशियन भंवर सिंह उपस्थित थे।

बल्लारी

श्री गुरू पुष्कर जैन सेवा समिति, बल्लारी (कर्नाटक) के सहयोग से 12 जून को आयोजित दिव्यांग जांच, निःशुल्क ऑपरेशन चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर में 268 दिव्यांगजन का रजिस्ट्रेशन हुआ। जिनमें से डॉ.अजीमुद्दीन ने जांच कर निःशुल्क ऑपरेशन के लिए 14 का चयन किया जबकि पीएण्डओ डॉ. नेहांश मेहता व उनकी टीम के टेक्नीशियन नाथू सिंह व गोविन्द सिंह ने 91 दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग व 37 के कैलीपर बनाने के लिए माप लिए।

मुख्य अतिथि एस.एस. जैन संघ के अध्यक्ष श्री केवलचंद जी विनायिका थे। अध्यक्षता तेरापंथ धर्मसंघ के अध्यक्ष श्री कमलचंद जी जैन ने की। विशिष्ट अतिथि समाज सेवी सर्वश्री आनंद जी मेहता, प्रवीण जी पारख व अशोक जी भण्डारी थे। आश्रम प्रभारी महेन्द्र सिंह रावत ने अतिथियों का स्वागत व संचालन लाल सिंह भाटी ने किया।

बिजनौर

डिग्री कॉलेज - नटहोर में बिजनौर (उ.प्र.) निवासी समाज सेवी श्री अशोक जी अग्रवाल (विष्णु मेडिकल स्टोर) के सौजन्य से 12 जून को आयोजित कृत्रिम अंग वितरण शिविर में 20 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 11 को कैलीपर वितरित किए गए। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद श्री ब्रजलाल जी थे। अध्यक्षता नटहोर के विधायक श्री ओम कुमार जी ने

की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री राकेश जी चौधरी, श्री मूलचंद जी, मुखेन्द्र जी त्यागी व श्रीमती लीना सिंघल थी। अतिथियों का स्वागत-सम्मान शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा ने किया।

जैसलमेर

गीता आश्रम, हनुमान चौराहा, जैसलमेर (राजस्थान) में दो दिवसीय कृत्रिम अंग वितरण शिविर 19-20 जून को सम्पन्न हुआ। जिसमें 58 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 16 को कैलीपर का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. प्रतिभा सिंह थी। नगर परिषद अध्यक्ष श्री हरिवल्लभ कल्ला ने अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि श्रीमती अंजना मेघवाल, श्री गौरीकृष्ण मेहरा, शिविर आयोजक हरीशंकर व्यास व श्री दशलाल शर्मा थे। शिविर प्रभारी लाल सिंह भाटी ने अतिथियों का पगड़ी-उपरना पहनाकर स्वागत किया। शिविर स्व. गंगादेवी व्यास-हजारी मल व्यास व स्व. ललिता देवी जी की स्मृति में आयोजित किया गया था।

हनुमानगढ़

पीलीबंगा पंचायत समिति, हनुमानगढ़ (राजस्थान) की ग्राम पंचाायत गोलूवाला-सिहागना के सहयोग से 21 जून को आयोजित निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर में 20 दिव्यांगजन को ट्राइसाइकिल व 20 को व्हील चेयर वितरित की गई। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लढ्ढा के अनुसार शिविर में जिला प्रमुख श्रीमती कविता मेघवाल मुख्य अतिथि के रूप में पधारी, जबकि उपखण्ड अधिकारी पीलीबंगा श्री रणजीत बिजारणिया ने अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि के रूप में तहसीलदार श्री विनोद गोदरा, जिला परिषद सदस्य पूनम गोदरा व पं. समिति सदस्य श्रीमती तीजा देवी मंचासीन थे। शिविर संचालन में मान सिंह, देवीलाल मीणा व सत्यनारायण ने सहयोग किया।

हांसी

बजरंग आश्रम, हांसी (हरियाणा) में मानव जागृति मंच के सौजन्य से 26 जून को कृत्रिम अंग वितरण शिविर में 20 दिव्यांगजन को कृत्रिम हाथ-पैर व 22 को कैलीपर प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्री विनोद जी भयाना व विशिष्ट अतिथि मानव जागृति मंच के प्रधान श्री सतीश जी कालरा व श्री जगदीश जी जांगड़ा (प्रचारक) थे। अध्यक्षता समाजसेवी श्री श्याम जी माखीजा ने की। हिसार आश्रम प्रभारी श्री राम सिंह ने शिविर का संचालन व लाल सिंह भाटी ने अतिथियों का स्वागत किया। सहयोग मुकेश त्रिपाठी व बहादुर सिंह मीणा ने किया।

ज्ञान कथा यज्ञ

सफलता, समृद्धि व शान्ति के लिए सत्संग

जीवन में सफलता एवं शान्ति का समन्वय केवल आध्यात्मिक विचारों, चिन्तन, सत्संग एवं सद्साहित्य से संभव हो सकता है। इसी दृष्टि से संस्थान प्रति माह विभिन्न कस्बों, शहरों-महानगरों में श्रीराम-कृष्ण व शिव कथाओं का आयोजन करता है। माह जून-जुलाई में विभिन्न कथाओं व सेवक प्रशान्त भैया की जीवन में कार्य-व्यवहार को लेकर नाना प्रकार के प्रश्नों का समाधान देने वाली 'अपनों से अपनी बात' वार्ताओं का आयोजन हुआ।

सेवा श्रेष्ठ आभूषण, सद्व्यवहार जीवन का आधार

सेवा महातीर्थ के प्रेरणा सभागार में संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने 15 से 17 जून तक सायं 6 से 7 बजे आयोज्य 'अपनों से अपनी बात' सत्संग में देश के विभिन्न भागों से दिव्यांगता में निःशुल्क सुधारात्मक सर्जरी के लिए आए किशोर-किशोरियों व उनके परिजनों का आव्हान किया कि सद्कर्म करना ही मनुष्यत्व है। सद्कर्म ही ऐसी पूंजी है, जो अन्त तक साथ रहकर जीवन का कल्याण करती है। उन्होंने कहा कि जीवन संघर्ष में हौसले के हथियार से विजय प्राप्त कर दूसरों के लिए आदर्श व प्रेरणा बनें। सेवा और सद्कर्म श्रेष्ठ आभूषण है, जिससे सम्पूर्ण व्यक्तित्व निखर उठता है, ऐसा व्यक्ति न सिर्फ लोक में, परलोक में भी प्रतिष्ठित होता है। सेवा भी वही सार्थक है, जिसमें व्यक्ति अपना दुःख भूलकर दूसरों की पीड़ा को दूर करने में आनन्द महसूस करे। कार्यक्रम का आस्था चैनल व यू-ट्यूब पर प्रसारण हुआ।

2 से 5 जुलाई तक आयोजित 'अपनों से अपनी बात' उत्प्रेरणा कार्यक्रम की द्वितीय श्रृंखला में उन्होंने कहा कि हमारा सद्व्यवहार ही सफल जीवन का आधार है। हमें हर वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि अच्छा करेंगे तो अच्छा ही होगा। बुरे कर्म का परिणाम बुरा ही होगा। जीवन और परिवार में खुशी तभी आ सकती है, जब मन प्रसन्न होगा। मन तभी प्रसन्न होगा, जब आत्म सन्तुष्टि का भाव महसूस होगा। वर्तमान में लोगों का दृष्टिकोण बदल गया है। इसलिए आत्म चिंतन जरूरी है। दुःखी दिव्यांग व जरूरतमंद की सेवा से जो आत्म संतोष मिल सकता है, वह किसी अन्य से नहीं। कार्यक्रम का संस्कार चैनल से देशभर में सीधा प्रसारण हुआ।

मेरठः कर्मफल का बड़ा महत्व

राधा गोविन्द मंडप, गढ़ रोड, मेरठ (उ.प्र.)में श्री दीपक जी गोयल परिवार व स्थानीय भक्तगण के सौजन्य से 25 जून से 1 जुलाई तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन सानन्द सम्पन्न हुआ। व्यास पीठ पर बिराजित भागवताचार्य डॉ. संजय कृष्ण जी सलिल महाराज ने कहा कि जीवन में कर्मफल का बड़ा महत्व है। हम जो भी कार्य करें वह पूरे सोच-विचार के साथ करें और यह भी देखें कि उसमें किसी को न क्षति पहुंचे और न ही दुःख। क्योंकि हमारे द्वारा सम्पादित कार्य का अच्छा बुरा जो भी परिणाम होगा, वह अन्ततः हमारे अपने खाते में ही जमा होगा। सब को खुशियां बांटे, जीवन को श्रीराम व कृष्ण की तरह परोपकारी व मर्यादित बनाएं।

उदयपुरः सेवा से होंगे ईश-दर्शन

संस्थान के सेवा महातीर्थ प्रेरणा सभागार में 6 से 12 जुलाई तक श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन सानन्द सम्पन्न हुआ। भागवत कथा मर्मज्ञ पूज्य बृजनन्दन जी महाराज ने व्यास पीठ को सुशोभित किया। उन्होंने कहा कि पीड़ित व दुःखी जन की सेवा-सुश्रुषा से भगवान प्रसन्न होते हैं। जीवन को सेवा मार्ग पर बढ़ाएं। उन्होंने नारायण सेवा संस्थान का उल्लेख करते हुए कहा कि कर्म क्षेत्र की विभिन्न विधाओं में आज दिव्यांग भी मुख्यधारा से जुड़कर अपना योगदान देते हुए जीवन को सार्थक कर रहा है। सेवा और सत्कर्म से ही ईश्वर से निकटता स्थापित की जा सकती है। ईश्वर में विश्वास ही सच्ची भक्ति है।

उदयपुर : अकारथ न हो मानव देह

मानव जीवन का एक मात्र लक्ष्य है-स्वकल्याण अर्थात जन्म-मरण के बंधन से मुक्त होना अथवा भगवत्व की प्राप्ति। मनुष्य भगवत्कृपा से मानव देह प्राप्त करता है। इस योनि में उसे कर्म करने की सामर्थ्य, विवेक, बुद्धि भी भगवत्प्रदत्त है, परन्तु इस विवेक-बुद्धि और सामर्थ्य का वह कितना सदुपयोग करता है - यह उस पर ही निर्भर है। यह बात संस्थान के बड़ी ग्राम स्थित सेवा महातीर्थ में 31 मई से 6 जून तक श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में व्यास पीठ से मनीषी पूज्य रमाकान्त जी महाराज ने कही। कथा का सत्संग चैनल से सीधा प्रसारण हुआ। उन्होंने कहा कि मानव देह पाकर भी जीवन को यदि स्वेच्छाचारिता व भोग-विलास में ही बिता दिया तो जन्म अकारथ तो होगा ही चौरासी योनियों में भटकाव भी होता रहेगा। कथा विभाग प्रभारी श्री देवेन्द्र चौबीसा ने व्यासपीठ का स्वागत व संचालन महिम जैन ने किया।

सेवायात्रा

झीनी-झीनी रोशनी (39)

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक - चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

कराहने की आवाज रह रहकर आ रही थी, लगता था जैसे कोई बच्चा कराह रहा है। अंधेरा गहरा था, कैलाश जिधर से आवाज आ रही थी उधर ही बढ़ा तो अस्पताल के बाहर एक अंधियारे कौने में युवक छटपटाते हुए कराह रहा था। कैलाश उसके पास गया। वह 18-20 साल का था। कैलाश ने पूछा कि उसे क्या हुआ है और यहां कौन छोड़ गया तो वह जवाब देने की बजाय रोने लगा। कैलाश को लगा जैसे ईश्वर उसकी परीक्षा ले रहे हैं, उसने आस-पास नजरें दौड़ाई मगर कहीं कोई नजर नहीं आया तो उसने स्वयं ही हिम्मत कर लड़के को उठाया और गिरते-पड़ते किसी तरह युवक को अस्पताल के अन्दर ले गया।

डॉक्टर ने लड़के की हालात देख तुरन्त भर्ती कर लिया। लड़के के हाथ-पांव एक दम काले पड़ गये थे। डॉक्टर ने उसे देखते ही बता दिया कि इसे बिजली का करन्ट लगा है। ऐसा प्रतीत होता था जैसे बिजली के तार ही इसके शरीर पर पड़ गये हों या यह बिजली के तारों पर पड़ गया हो। डॉक्टर ने अनुमान लगाया कि जरूर लड़का बकरियां चराने गया होगा जहां उसके साथ ऐसी घटना घट गई और किसी गांव वाले ने इसे लाकर अस्पताल के बाहर पटक दिया। कैलाश सोचने लगा कि जो कोई लड़के को अस्पताल के बाहर तक छोड़ गये वे अन्दर भी छोड़ सकते थे मगर पुलिस का डर हर किसी को लगता ही है। कैलाश ने स्वयं पिण्डवाड़ा में पुलिस का व्यवहार देखा ही था।

डॉक्टर ने लड़के का अच्छी तरह परीक्षण कर कैलाश को कहा कि लड़के के दोनों हाथ-पांव काटने पड़ेंगे, इनमें गेगरीन हो गया था जिसके शरीर के दूसरे हिस्सों में भी फैलने की पूरी संभावना थी। डॉक्टर की बात सुन कैलाश सन्न रह गया, उसे डॉक्टर पर पूरा यकीन था, वे क्षेत्र के माने हुए सर्जन थे। वे अगर कुछ कह रहे हैं तो सोच समझ कर ही कह रहे होंगे। कैलाश को विचारमग्न देख डॉक्टर ने फिर कहा-जल्दी से निर्णय लो, हाथ-पांव तुरन्त नहीं काटे तो लड़के की जान नहीं बचेगी। कैलाश असमंजस में था, एक अनजान युवक जो उसे सड़क पर मिला था, उसकी मदद करते वह अस्पताल लाया था। यह संयोग ही था कि उस समय वह घर से निकल गया वरना घर पर उसे नींद आ जाती तो। कैलाश ने अपना अन्तर्द्वन्द डॉक्टर को बताया तो उन्होंने कहा कि शायद इस लड़के की जान बचाने की खातिर ही ईश्वर ने तुम्हें अपने घर पर सोते हुए को उठाया और इस तक पहुंचाया। कैलाश को डॉक्टर की इस उक्ति से निर्णय लेने में मदद मिली, वह सोचने लगा कि लड़के के हाथ-पांव नहीं काटे तो वह मर जायेगा, हाथ-पांव काट दिये तो कम से कम इसका जीवन तो बच जायेगा। कैलाश ने निश्चय कर लिया और डॉक्टर को कह दिया कि आप ऑपरेशन करें।

क्रमशः

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्री रामजी भाई आर. बछानी, श्रीमती हेमलता बेन श्री परथ भाई, श्री यग्नेश भाई लालपुर, जामनगर (गुजरात)

श्री ललित कपूर एवं परिवार अम्बाला सिटी (हरियाणा)

श्री योगेन्द्र गर्ग एवं श्रीमती चंचल गर्ग अलवर (राजस्थान)

कै. पूर्ण सिंह थापा एवं श्रीमती शीला देवी चम्बा (हिमाचल प्रदेश)

श्री मोहिन्दर सिंह एवं श्रीमती चंचल कुमारी जुलका अम्बाला (हरियाणा)

श्री एवं श्रीमती ओ.पी. कानूनगो जयपुर (राजस्थान)

श्रीमती सुनीता वर्मा, अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)

श्री बालकृष्ण भोगीलाल मेहता रामकोटी,हैदराबाद

हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्री हरि भगवान जी रस्तोगी

संस्थान की मेरठ (उ.प्र.) शाखा के संयोजक श्रीमान हरि भगवान जी रस्तोगी साहब का आकस्मिक निधन 16 जून-2022 को हो गया। वे संस्थान के सम्मानित दानदाता थे। आपश्री की स्वैच्छानुसार पार्थिक देह अनुसंधान हेतु मेडिकल कॉलेज को दान की गई। ऐसी सेवाभावी पुण्यात्मा को संस्थान के संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव' ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि ईश्वर स्वर्गस्थ आत्मा को अपने चरणों में स्थान देवें एवं परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

स्व. श्री ताराचंद जी बिलाला

जयपुर निवासी समाजसेवी -संस्थान सहयोगी, दानदाता श्री ताराचंद जी बिलाला का 16 मई को देवलोकगमन हो गया। वे अपनी पीछे शोक विह्वल धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी जी, पुत्र-पुत्रवधू अनिल जी-शर्मिला जी, सुनील जी-अर्पणा जी, राजीव जी-शोभा जी, संजीव जी-रेखा जी (बैंकाक) एवं भरापूरा बिलाला परिवार छोड़ गए हैं। संस्थान संस्थापक श्री कैलाश जी मानव व अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने उनके निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए प्रभु से उनकी आत्मा की शान्ति व परिवार को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

सिंगापुर

श्री राकेश कुमार सिंह

श्री धर्मदास नेनुमल परवानी

श्री बिपीन आर. शाह

श्री निगम भाई

श्री शिवानन्द राय

श्री जी.आर. पोद्दार

श्री एवं श्रीमती राम कृष्णा

श्रीमती गीता बलानी

श्री एवं श्रीमती जगदीश गुप्ता

श्री एवं श्रीमती विजय नाथ राय

श्री दीपक चारडवा

श्री जॉनी इशर दास और बहन

श्री प्रशान्त अग्रवाल

श्री हरिन्दर पी.एस.वाधवा

शारदा सिंह

बैंकॉक

श्री हिरण जैन

श्री संजीव बिलाला

श्री किटी नवानी

श्री अमित गांधी

श्री हर्षद पटेल

श्री वी.के. सेठी

श्री अनिल कुमार

श्री सौरभ जैन

श्री दीपक जी

श्री नीलेश जोगानी

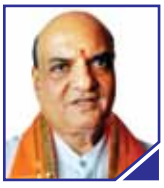
श्री कैलाश चन्द्र अग्रवाल

श्रीमती राज सचदेव और राज चौपड़ा

श्री मुकेश शर्मा

श्री अनुराग शाह

आचार्य-पंडित
ललित मोहन व्यास

श्री भूपेन्द्र जैन

श्री रविन्द्र अग्रवाल

श्री महेश अग्रवाल

श्री मनोज पटेल

श्री बंशी लाल

श्री राकेश शाह

श्री राकेश भटनागर

श्री तुसर कोटेचा

श्री अंकुरेश पाण्डेय

श्री भाटी

श्री निगम शाह

श्री राजन गंभीर

श्री एवं श्रीमती मंजुल कपूर एवं परिवार

पण्डित दामोदर दास

कुआलालम्पुर

श्री एवं श्रीमती गिरीश भाई परिवार

श्री बलराम छाबड़ा

श्री राधेश्याम अग्रवाल

श्री एवं श्रीमती धर्म प्रकाश खरबंदा

श्री एवं श्रीमती प्रवीण अग्रवाल

श्री एवं श्रीमती मंजुला बेन

अंतहीन संभावनाएं - दिव्यांगता राहत के विभिन्न आयाम

चिकित्सा

- निदान (एक्स रे, ओपीडी, लैब)
- उपचार (कृत्रिम अंग और कैलिपर्स)
- पोस्ट ऑपरेटिव केयर (वार्ड, आईसीयू)
- चिकित्सा सहायता (फार्मेसी एवं फिजियोथेरेपी)

स्वावलम्बन

- हस्तकला और शिल्पकला
- सिलाई प्रशिक्षण
- डिजिटल (कंप्यूटर) प्रशिक्षण
- मोबाइल फोन रिपेयर प्रशिक्षण
- नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (निःशुल्क डिजिटल स्कूल)

- 450 बेड का निःशुल्क सेवा हॉस्पीटल
- 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त
- निःशुल्क ओपीडी,जांच एवं शल्य चिकित्सा
- निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

कृपया 1 लाख रू. का सहयोग देकर अपने परिजनों का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित कराएं

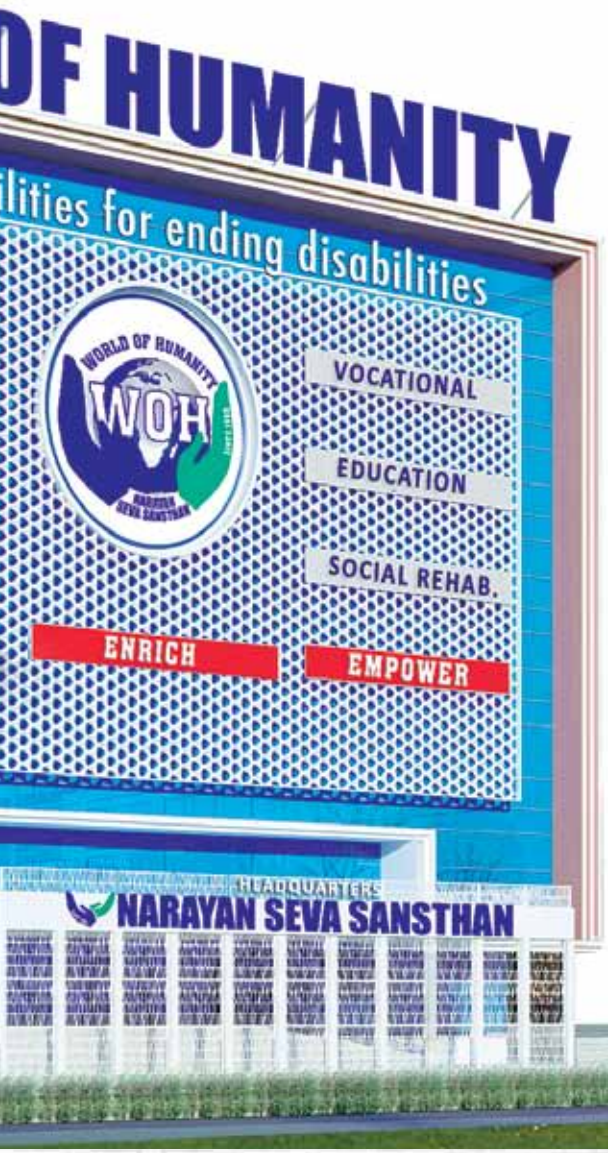

सशक्तिकरण

- दिव्यांग विवाह समारोह
- दिव्यांग हीरोज
- दिव्यांग खेल अकादमी
- दिव्यांग संगोष्ठी - सेमिनार
- इंटर्नशिप वॉलंटियर

सामुदायिक सेवाएं

- आदिवासी और ग्रामीण शिक्षा
- वस्त्र वितरण
- दृश्य एवं श्रवण बाधित के लिए आवासीय विद्यालय
- भोजन सेवा
- राशन वितरण
- वस्त्र और कंबल वितरण
- दवा वितरण

- प्रज्ञाचक्षु , विमंदित, मूकबधिर, अनाथ एवं निर्धन बच्चों का निःशुल्क आवासीय विद्यालय
- व्यावसायिक प्रशिक्षण • बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर • रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

भारत में संचालित संस्थान शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811, ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड सदर थाना गली, हजारीबाग

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
449, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलॉं, होशंगाबाद रोड जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द सिंह सोलंकी,08989609714, बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548 मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट-133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991 9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बड़सर जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

मथुरा
श्री दिलीप वर्मा,मो. 08899366480
1, द्वारिकापुरी,कंकाली, मथुरा

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंडीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्ट्रीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया, जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112, डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरु आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मू-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

नागपुर
08306004806, प्लॉट नंबर 37, गोरले ले आउट,गोपाल नगर, दूसरा बस स्टॉप,नागपुर,महाराष्ट्र 440022

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

दिल्ली

रोहिणी
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड
नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

हरियाणा

चण्डीगढ़
070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. कैम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
07023003320,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

करनाल
मो.: 8306004815, मकान न. 415, सेक्टर-6, करनाल 132001

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

पंजाब

लुधियाना
07023101153
50/30-ए, राम गली, नीरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
. 09351230395
551/च/157 नियर कैला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

भोपाल
095299 20089
ए -846, न्यू अशोका गार्डन, दिगम्बर जैन मंदिर के पास, राखसन रोड, भोपाल - 462023

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर, लेक टाऊन कोलकाता-700089

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोडिया रोड, वडोदरा -390019

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
मेंडती गेट के अंदर,कुचामन हवेली के पास,जोधपुर,राज.-342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, 209ए, तलवंडी कोटा (राज.) 324005

जयपुर
08696002432, बी-16 गोविन्ददेव कॉलोनी, चौगान स्टेडियम के पीछे, गणगौरी बाजार,जयपुर

नाथद्वारा
मो.: 8306004832
मकान नं. 850, वंदना सिनेमा के पीछे श्रीजी कॉलोनी, नाथद्वारा बस स्टेण्ड के पास, नाथद्वारा, राजसमंद-313301

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी
09999175555
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मोदीनगर
आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

बरेली
मो.:8306004804, बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी
09529920084, दानदाता : डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693 श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, खिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद
(1) 07073474435,8588835716 184, सेठ गोपीमल धर्मशाला कोलाघालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435,8588835716 श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर
09928027946, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080, 8306008208
ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट
09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिवर्सिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम
दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर
09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार				
वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
कैलिपर	2000	6,000	10,000	22,000
वैशाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	10000	30,000	50,000	1,10000

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	11,00/-
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

सहमति-पत्र के साथ आप अपनी करुणा सेवा भिजवा सकते हैं

आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

मैं (नाम) ▶.....सहयोग मद ▶ .....

उपलक्ष्य में/स्मृति में ▶.....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ▶.....का चेक नं./डी.डी. नं./एम.ओ./पे-इन स्लीप

..... दिनांक ▶.....से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता हूँ/करती हूँ।

पूर्ण पता ▶.....

जिला .....पिन कोड .....राज्य .....

मो. नं. .....वाट्सअप नं. ..... ई-मेल .....

हस्ताक्षर

॥ मांगलिक कार्यक्रम ॥

दिनांक: 28 अगस्त 2022

गणपति स्थापना	हल्दी रस्म	मेहंदी रस्म	बिन्दौली
प्रात: 9.15 बजे से	प्रात: 9.30 बजे से	प्रात: 11.40 बजे से	सायं: 5.00 बजे से

दिनांक: 29 अगस्त 2022

तोरण	वरमाला	पाणिग्रहण संस्कार	विदाई
प्रात: 10:00 बजे से	दोपहर: 11:00 बजे से	दोपहर: 12:45 बजे से	दोपहर 2:00 बजे से

दिव्यांग एवं निर्धन कन्याओं के बनें धर्म माता-पिता

पूर्ण कन्यादान (प्रति जोड़ा)
₹ 51,000

पाणिग्रहण संस्कार (प्रति जोड़ा)
₹ 10,000

Donate Now

आंशिक कन्यादान (प्रति जोड़ा)
₹ 21,000

भोजन सहयोग
₹ 5,100

UPI narayanseva@sbi

Seva Soubhagya 1 August, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,05,000) cost- Rs.5/-